सत्यमेव जयते
Ministry of Health & Family Welfare
Government of India

Azadi Ka Amrit Mahotsav

नाको समाचार

अप्रैल - जून 2022

NACO

National AIDS Control Organisation

India's response to HIV & Sexually Transmitted Infections
Ministry of Health & Family Welfare, Government of India
www.naco.gov.in

आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, असम, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, बिहार, छत्तीसगढ़, चंडीगढ़, दादर और नगर हवेली और दमन और दीव, गोवा, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, जम्मू और कश्मीर, कर्नाटक, केरल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, ओडिशा, पंजाब, पुडुचेरी, राजस्थान, सिक्किम, तमिलनाडु, तेलंगाना, त्रिपुरा, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, असम, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, बिहार, छत्तीसगढ़, चंडीगढ़, दादर और नगर हवेली और दमन और दीव, गोवा, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, जम्मू और कश्मीर, कर्नाटक, केरल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, ओडिशा, पंजाब, पुडुचेरी, राजस्थान, सिक्किम, तमिलनाडु, तेलंगाना, त्रिपुरा, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, असम, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, बिहार, छत्तीसगढ़, चंडीगढ़, दादर और नगर हवेली और दमन और दीव, गोवा, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, जम्मू और कश्मीर, कर्नाटक, केरल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, ओडिशा, पंजाब, पुडुचेरी, राजस्थान, सिक्किम, तमिलनाडु, तेलंगाना, त्रिपुरा,उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, असम, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, बिहार, छत्तीसगढ़, चंडीगढ़, दादर और नगर हवेली और दमन और दीव, गोवा, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, जम्मू और कश्मीर, कर्नाटक, केरल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, ओडिशा, पंजाब, पुडुचेरी, राजस्थान, सिक्किम, तमिलनाडु, तेलंगाना, त्रिपुरा, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, असम, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, बिहार, छत्तीसगढ़, चंडीगढ़, दादर और नगर हवेली और दमन और दीव, गोवा, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, जम्मू और कश्मीर, कर्नाटक, केरल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, ओडिशा, पंजाब, पुडुचेरी, राजस्थान, सिक्किम, तमिलनाडु, तेलंगाना, त्रिपुरा, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, असम, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, बिहार, छत्तीसगढ़, चंडीगढ़, दादर और नगर हवेली और दमन और दीव, गोवा, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, जम्मू और कश्मीर, कर्नाटक, केरल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड,ओडिशा, पंजाब, पुडुचेरी, राजस्थान,सिक्किम, तमिलनाडु, तेलंगाना, त्रिपुरा, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश,

विषय सूची

1. **संरक्षक** का संदेश 03
2. **निदेशक** का संदेश 04
3. **संपादक** का संदेश 05
4. राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के पाँचवा चरण पर परियोजना निदेशकों के लिए राष्ट्रीय स्तर का संवेदीकरण कार्यक्रम 06
5. वर्चुअल प्रयास के तहत एसबीसीसी पैकेज विकसित करने के विषय पर राष्ट्रीय परामर्श कार्यशाला 07
6. वर्चुअल माध्यम से एच.आई.वी. से संबंधित जोखिम आबादी से जुड़ने की कार्यनीतियों सम्बन्धी व्हाइट पेपर 07
7. कारागार व अन्य सुधार केन्द्रों पर एच.आई.वी कार्यक्रम की परामर्श व समीक्षा बैठक 08
8. 'संपूर्ण सुरक्षा कार्यनीति' के अंतर्गत प्रस्ताव विकसित करने के लिए कार्यशाला 08
9. उत्तर पूर्वी परिषद (एनईसी) और राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन के बीच संयुक्त कार्य समूह (जेडब्ल्यूजी) की बैठक 09
10. प्रोग्रामेटिक मैपिंग और जनसंख्या आकार अनुमान की राष्ट्रीय स्तर की समीक्षा बैठक 10
11. आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन सुदृढ़ीकरण परियोजना की समीक्षा बैठक और 'दक्षता' का शुभारंभ 10
12. एकीकृत सूचना प्रबंधन प्रणाली के लिए क्षमता विकास कार्यशाला 11
13. मानव रोगक्षम अल्पता विषाणु और अर्जित रोगक्षम अल्पता संलक्षण (निवारण और नियंत्रण) अधिनियम, 2017 के तहत क्षेत्र स्तरीय परामर्श बैठक 11
14. लक्षित हस्तक्षेप कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षण मॉड्यूल की समीक्षा के लिए राष्ट्रीय कार्यशाला 12
15. सामुदायिक प्रणालियों के सशक्तिकरण से एच.आई.वी रोकथाम के केंद्र में समुदाय को रखना 12
16. क्षेत्रीय समीक्षा बैठक - उत्तर पूर्वी क्षेत्र 13
17. राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन के अधिकारियों का कार्यक्रम प्रबंधन पर प्रशिक्षण 13
18. सामुदायिक तंत्र सशक्तिकरण विषय पर समुदाय, समुदायिक नेटवर्क और सी.एस.ओ के मुख्य प्रशिक्षकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम 14
19. क्षेत्रीय फोक मीडिया कार्यशाला 14
20. प्रयोगशाला सेवा प्रभाग के उप निदेशकों और सहायक निदेशकों की समीक्षा एवं अभिविन्यास बैठक 16
21. ट्रांसजेंडर लोगों के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस-जेंडर अफर्मेशन केयर (जीएसी) की स्थापना 17
22. अपर सचिव एवं महानिदेशक, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन द्वारा राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम की गतिविधियों की चेन्नई में समीक्षा बैठक 17
23. अपर सचिव एवं महानिदेशक, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन का गुजरात दौरा 18
24. अपर सचिव एवं महानिदेशक, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन द्वारा मुंबई में राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम की सेवाओ और हॉटस्पॉट स्थलों का दौरा 18
25. राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन अधिकारियों का ओडिशा दौरा 19
26. प्रमुख संकेतकों पर राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम की स्थिति 19
27. 360 डिग्री समीक्षा की निरंतरता मेंउत्तर पूर्वी राज्यों के अनुवर्ती दौरे 21
28. रेड रिबन क्लब कार्यक्रम के अंतर्गत गतिविधियों का आयोजन 23

संरक्षक का संदेश

प्रिय पाठकों,

राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन के न्यूज़लेटर वर्ष 2022 के अंक में आपका स्वागत है।

भारत सतत विकास लक्ष्यों के अनुरूप 2030 तक सार्वजनिक स्वास्थ्य खतरे के रूप में 'एड्स के उन्मूलन' के लिए प्रतिबद्धित है। आगामी चुनौतियों से निपटने और वांछित परिणाम प्राप्त करने के लिए सभी स्तरों पर निरंतर प्रतिबद्धता और अथक प्रयास अवश्यक है। पूरे देश में कार्यक्रम का बेहतर कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने और राष्ट्रीय कार्यक्रम के परिकल्पित लक्ष्यों को पूरा करने के लिए राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के पाँचवा चरण पर राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी के परियोजना निदेशकों के लिए अप्रैल 2022 में नई दिल्ली में एक राष्ट्र स्तरीय संवेदीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया था।

पूर्वोत्तर राज्यों के कई हिस्सों में एच.आई.वी के खतरे और रुझान में वृद्धि को देखते हुए इस क्षेत्र पर विशेष ध्यान देना और रोकथाम का प्रयास करना जरूरी है। अप्रैल 2022 में असम के गुवाहाटी में पूर्वोत्तर राज्यों की सभी राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी की समीक्षा बैठक आयोजित की गई थी। इसके बाद राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन की टीम ने प्रत्येक पूर्वोत्तर राज्य का दौरा कर रोकथाम की योजना बनाने और आवश्यक कदम उठाने में प्रत्येक राज्य की सहायता की है।

जैसा कि आप जानते हैं राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन ने पूर्वोत्तर क्षेत्र में एच.आई.वी और एड्स रोकथाम के प्रयास मजबूत करने के लिए ने 2019 में उत्तर पूर्वी परिषद (एनईसी), पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय के साथ एक सहयोग करार (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। सहयोग का सिलसिला बढ़ाते हुए दूसरी संयुक्त कार्य समूह (जेडब्ल्यूजी) बैठक अप्रैल 2022 में शिलांग, मेघालय में आयोजित की गई थी जिसकी अध्यक्षता सचिव, एन.ई.सी. ने की। बैठक का उद्देश्य पूर्वोत्तर क्षेत्र में एच.आई.वी. और एड्स की रोकथाम और नियंत्रण के प्रयास तेज करने के अवसरों की तलाश करना था।

मुझे यह सूचित करते हुए खुशी हो रही है कि भारत सरकार ने मानव रोगक्षम अल्पता विषाणु और अर्जित रोगक्षम अल्पता संलक्षण (निवारण और नियंत्रण) अधिनियम, 2017 की धारा 12 के तहत प्रतिष्ठानों के लिए एच.आई.वी. और एड्स नीति, 2022 की अधिसूचना कर दी है। यह नीति एच.आई.वी से जुड़े भेदभाव और कलंक के उन्मूलन के लिए कथित अधिनियम में परिभाषित सभी प्रतिष्ठानों पर लागू होती है। हमें इस नीति का व्यापक प्रचार और प्रसार करना है ताकि सभी प्रतिष्ठान, नियोक्ता, कर्मचारी और श्रमिक संगठन द्वारा इस नीति को अपनाना सुनिश्चित हो।

हम वित्त वर्ष 2022-23 की दूसरी तिमाही में पहुंच गए हैं। इसलिए हमारे प्रयास कार्यक्रम की गतिविधियों को विस्तार और नई ऊंचाई देने के लिए नवाचार करने की दिशा में होने चाहिए।

इन विचारों के साथ मुझे विश्वास है कि राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन का न्यूज़लैटर पाठकों को कार्यक्रम संबंधी जानकारी देकर प्रेरित करता रहेगा।

शुभकामनाएं!

आलोक सक्सेना
अपर सचिव एवं महानिदेशक
राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन
भारत सरकार

निदेशका का संदेश

प्रिय पाठकों,

वर्ष 2022 के राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन न्यूज के दूसरे अंक में मैं अपने सभी पाठकों का स्वागत करती हूं। दूसरी तिमाही में कई महत्वपूर्ण गतिविधियां देखी गईं।

राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन द्वारा वर्चुअल प्लेटफार्म के माध्यम से एच.आई.वी सम्बन्धी जोखिम समूह से जुड़ने के लिए एक व्हाईट पेपर विकसित किया गया- यह व्हाईट पेपर वर्चुअल प्लेटफार्म पर उपलब्ध जोखिम समूह के लिए एस.बी.सी.सी. पैकेज विकसित करने के लिए आयोजित कार्यशाला के दौरान जारी किया गया। इसका मकसद जोखिम में पड़ी आबादी से वर्चुअल प्लेटफॉर्म पर जुड़ना था।

यहां यह भी उल्लेखनीय है कि मानव रोगक्षम अल्पता विषाणु और अर्जित रोगक्षम अल्पता संलक्षण (निवारण और नियंत्रण) अधिनियम, 2017 के तहत 18 राज्य संबंधी नियमों को अधिसूचित कर चुके हैं और 25 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों ने ओम्बड्समैन नियुक्त किए हैं। इसके अलावा राज्यों/संघीय प्रदेशोंके प्रतिष्ठानों में 1000 से अधिक शिकायत समाधान अधिकारी नामित किए गए हैं। कथित अधिनियम के तहत क्षमता विकसित करने और अधिकारियों को सशक्त बनाने की बढ़ती जरूरत के मद्देनजर जून 2022 में सभी राज्यों / केंद्रशासित प्रदेशों के सक्षम मुख्य प्रशिक्षको के एक कैडर को दो क्षेत्र स्तरीय कार्यशालाओं में प्रशिक्षित किया गया था। इसके बाद ये मुख्य प्रशिक्षक क्षेत्र और राज्य स्तर पर ओम्बड्समैन और शिकायत समाधान अधिकारियों को प्रशिक्षण देंगे।

इस तिमाही कई महत्वपूर्ण कार्यक्रम हुए जैसे कारागार और अन्य सुधारगृहो के अंदर एच.आई.वी रोकथाम पर राष्ट्रीय विमर्श और समीक्षा बैठक; 'संपूर्ण सुरक्षा कार्यनीति' पर राज्यवार प्रस्ताव विकास कार्यशाला; ई-लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम 'दक्षता' का शुभारंभ; एकीकृत सूचना प्रबंधन प्रणाली के लिए क्षमता विकास कार्यशाला और कार्यक्रम के तहत विभिन्न गतिविधियों की 360 डिग्री समीक्षा के लिए राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन के वरिष्ठ प्रमुखों और अधिकारियों के मुंबई, ओडिशा, गुजरात, तमिलनाडु और पूर्वोत्तर राज्यों के दौरे। कार्यक्रमों के कार्यान्वयन के आंकलन और आवश्यक सहायता देने के लिए मुंबई में मुंबई ज़िला एड्स नियंत्रण सोसायटी और असम के गुवाहाटी में पूर्वोत्तर राज्यों के लिए समीक्षा बैठकें आयोजित की गईं।

मैं समझती हूं कि वित्त वर्ष 2022-23 की पहली तिमाही की शुरुआत उल्लेखनीय रही है और इससे एड्स मुक्त भारत का मार्ग प्रशस्त होगा। मैं चाहती हूं कि आप सभी इन पहलों को गौर से पढ़ें।

सभी को मेरी शुभकामनाएं!

निधि केसरवानी
निदेशका
राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन
भारत सरकार

संपादक का संदेश

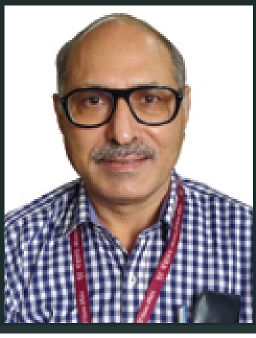

प्रिय पाठकों,

राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन आपका अभिवादन करता है!

हम सहर्ष 2022 की दूसरी तिमाही का राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन समाचार पेश कर रहे हैं। दूसरी तिमाही में महत्वपूर्ण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया तथा राज्यों को सहयोग के लिए दौरों का आयोजन किया गया। आप सभी जानते हैं कि राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम की सफलता की प्रमुख कारक समुदाय द्वारा इलाज की मांग, इलाज की जानकारी, कार्यक्रम की गुणवत्ता की निगरानी तथा सुलभता में सक्रिय भूमिका निभाना है। राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के पाँचवा चरण के तहत सामुदायिक तंत्र सुदृढ़ीकरण प्रणाली (सीएसएस) और सामुदायिक नेतृत्व में निगरानी (सीएलएम) पर ध्यान केंद्रित किया गया है, जिससे कार्यक्रम का प्रभाव, उसकी दक्षता, प्रभावीपन बढ़ सकता है और इसके परिणामस्वरूप हमारा देश 2030 तक एड्स उन्मूलन के लक्ष्य तक पहुंच सकता है। मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि इस तिमाही में राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम का पाँचवा चरण के तहत सामुदायिक तंत्र सुदृढ़ीकरण के लिए राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी नोडल अधिकारियों की एक बैठक आयोजित की गई थी जिसका उद्देश्य अधिकारियों को भारतीय पृष्ठभूमि में सामुदायिक तंत्र सुदृढ़ीकरण की अवधारणा और इसे लागू करने की योजना से अवगत कराया गया।

राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन ने जयपुर में एक फोक मीडिया कार्यशाला का भी आयोजन किया। फोक मीडिया का लाभ यह है कि इनमें आसानी से कार्यक्रम की जरूरत अनुसार नए विषय जोड़े जा सकते है। लोक-मीडिया की पटकथा में एच.आई.वी. जांच, माँ से बच्चे में एच.आई.वी. संचरण, मानव रोगक्षम अल्पता विषाणु और अर्जित रोगक्षम अल्पता संलक्षण (निवारण और नियंत्रण) अधिनियम, 2017, जांच और इलाज नीति, संपूर्ण सुरक्षा कार्यनीति को बढ़ावा के विषयों को शामिल किया गया था। फोक मीडिया एक आसान तथा सस्ता माध्यम है इसलिए भी इसकी पूरी क्षमता का उपयोग करना चाहिए क्योंकि इसके द्वारा दूर दराज़ क्षेत्रों में आसानी से संदेश पहुँचाया जा सकता है। इसलिए मैं चाहता हूं कि सभी राज्य इस सबल पक्ष को समझे और इसमें सुधार करे।

पूरी दुनिया के कारगारों में एच.आई.वी, टीबी और हेपेटाइटिस सी का प्रसार अपेक्षाकृत अधिक देखा गया है। इसलिए कारगारों के कैदियों और अन्य सुधारगृहों के अंदर रहने वाले लोगों को व्यापक सेवाएं प्रदान करना महत्वपूर्ण हो जाता है। कारागार और अन्य सुधारगृहों के अंदर रोकथाम पर एक राष्ट्रीय विमर्श और समीक्षा बैठक आयोजित की गई थी जिसके उद्देश्य हैं कारागार और सुधारगृहों के अंदर रोकथाम की दिशा में हुई प्रगति का आकलन; प्राप्त जानकारियों को आपस में जोड़ कर दिशानिर्देशों की समीक्षा और संशोधन और राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम का पाँचवा चरण के तहत एक मानक परिचालन प्रक्रिया विकसित करना और कारगार और सुधारगृहों के लिए सामाजिक और व्यवहार परिवर्तन संवाद को अंतिम रूप देना था।

कृपया न्यूजलेटर पढ़ कर अप्रैल से जून 2022 के दौरान राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन और राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी के विभिन्न महत्वपूर्ण प्रयासों के बारे में जानकारी प्राप्त करें।

आप से अनुरोध है कि कृपया अपनी टिप्पणियां और बहुमूल्य जानकारी हमें जरूर दें।

डॉ. अनूप कुमार पुरी
उप महानिदेशक
राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन
भारत सरकार

राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के पाँचवा चरण पर परियोजना निदेशकों के लिए राष्ट्रीय स्तर का संवेदीकरण कार्यक्रम

राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन द्वारा 22 से 23 मई को राज्य के परियोजना निदेशकों के लिए राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम' के पाँचवे चरण पर संवेदीकरण कार्यक्रम' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के पाँचवा चरण की प्रमुख कार्यनीतियों और नई पहलों पर राज्यों के परियोजना निदेशकों को अवगत कराना था कार्यक्रम का उद्घाटन श्री आलोक सक्सेना, अपर सचिव एवं महानिदेशक, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन द्वारा किया गया। जिन्होंने राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम का एक व्यापक दृष्टिकोण प्रस्तुत किया तथा बताया कि यह कार्यक्रम भारत सरकार ने कैसे विकसित किया और अब इसे विश्व स्तर पर स्वीकार किया जा रहा है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत सरकार एच.आई.वी को समाप्त करने के वैश्विक लक्ष्य 2030 के प्रति प्रतिबद्ध है। राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के पाँचवे चरण परियोजना को 2021-26 अवधि के लिए 15471.94 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित किया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान सुश्री निधि केसरवानी, निदेशक, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन ने राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के पाँचवे चरण की प्रमुख विशेषताएं प्रस्तुत की राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के पाँचवा चरण का सामरिक दस्तावेज, एच.आई.वी रोकथाम कार्यक्रम के अंतर्गत लक्षित हस्तक्षेप, एलडब्ल्यूएस, ओएसटी कार्यक्रम का प्रगति रिपोर्ट और 'संपूर्ण सुरक्षा कार्यनीति' की आई.ई.सी सामग्री अपर सचिव एवं महानिदेशक, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन के द्वारा कार्यक्रम में जारी की गई।

श्री जेवीआर प्रसाद राव (पूर्व केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव) भी कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। इसके अलावा, कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों को राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के पाँचवे चरण की नई कार्यनीतियों के बारे में भी जानकारी दी ।

वर्चुअल प्रयास के तहत एसबीसीसी पैकेज विकसित करने के विषय पर राष्ट्रीय परामर्श कार्यशाला

राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन ने श्री आलोक सक्सेना, अपर सचिव एवं महानिदेशक की अध्यक्षता में तीन दिवसीय समुदायिक परामर्श कार्यशाला का आयोजन किया जिसका उद्देश्य वर्चुअल प्लेटफॉर्म पर उपस्थित एच.आई.वी. संबंधी जोखिम वर्ग तक पहुँचने के लिए एसबीसीसी पैकेज (संचार सामग्री) विकसित करना था। राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण द्वारा वर्चुअल प्लेटफार्म पर उपलब्ध जोखिम वर्ग के लिए संचार सामग्री बनाने तथा उपलब्ध संचार सामग्री में जरूरी बदलाव लाने के लिए आयोजित की गई इस कार्यशाला में देश भर से 90 सदस्य शामिल हुए जो कि हितधारक समूह, राज्य एड्स नियंत्रण समितियों तथा समुदाय के प्रतिनिधि थे।

सुश्री निधि केसरवानी, निदेशक, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन ने भी कार्यक्रमें में भाग लिया और इस अवसर पर अपने अमूल्य मार्गदर्शन से प्रतिभागियों को सम्मानित किया। अन्य वरिष्ठ अधिकारी डॉ. अनूप कुमार पुरी, डीडीजी (देखभाल सहायता एवं उपचार, सूचना, शिक्षा और संप्रेषण और एमएस), राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन; डॉ. शोबिनी राजन, डीडीजी (लक्षित हस्तक्षेप और बीएसडी), राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन और राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन के विभिन्न प्रभागों के अधिकारी कार्यक्रम में उपस्थित थे। इस परामर्श कार्यशाला का आयोजन हमसफ़र ट्रस्ट तथा एचआईवी/एड्स एलायंस के सहयोग से किया गया।

वर्चुअल माध्यम से एच.आई.वी. से संबंधित जोखिम आबादी से जुड़ने की कार्यनीतियों संबंधी व्हाइट पेपर

राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन द्वारा साक्ष्यों पर आधारित एक व्हाइट पेपर 'वर्चुअल माध्य से एच.आई.वी जोखिम समूह से जुड़ने की कार्यनीतिया' विकसित किया गया। यह पेपर वर्चुअल प्लेटफार्म पर उच्च जोखिम समूह पर एच.आई.वी की रोकथाम के लिए सभी उपलब्ध साक्ष्यों को एक साथ लाने की जरूरत पर प्रकाश डालने के उद्देश्य से विकसित किया गया है।

07 न्यूज़लेटर अप्रैल - जून 2022 यह पेपर श्री आलोक सक्सेना, अपर सचिव एवं महानिदेशक, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन द्वारा जारी किया गया और वर्तमान में यह राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन वेबसाइट पर उपलब्ध हैं ।

कारागार व अन्य सुधार केन्द्रों पर एच.आई.वी. कार्यक्रम की परामर्श व समीक्षा बैठक

श्री आलोक सक्सेना, अपर सचिव एवं महानिदेशक, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन की अध्यक्षता में 19 से 21 मई को एक राष्ट्रीय परामर्श और समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन कारागार तथा अन्य सुधारगृहों में एच.आई.वी के संदर्भ ने वर्ष 2021—22 में हुए प्रयासों की समीक्षा करने संबंधी दिशानिर्देशों में संशोधन करने तथा कारागार तथा अन्य सुधारगृहों के लिए एच.आई.वी सम्बन्धी संचार सामग्री विकसित करने के उद्देश्य से किया गया था। तीन दिवसीय परामर्श के दौरान सजायाफ्ता और विचाराधीन कैदियों के लिए कार्यनीतियों और ग्लोबल फंड के sustainable transition plans पर चर्चा की गई।

समीक्षा में समुदाय, विकास भागीदार, कार्यान्वयन भागीदारों, कार्यक्रम विशेषज्ञों, स्टेट एड्स नियंत्रण सोसाइटी तथा तकनीकी सहायता केंद्र के साथ, श्री एम.ए. रजा, महानिदेशक कारागार, आंध्रप्रदेश और अन्य वरिष्ठ जेल अधिकारी मध्य प्रदेश और मणिपुर ने भी भाग लिया तथा अपने सुझाव प्रदान किए।

'संपूर्ण सुरक्षा कार्यनीति' के अंतर्गत प्रस्ताव विकसित करने के लिए

राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन ने संपूर्ण सुरक्षा कार्यनीति के तहत श्री आलोक सक्सेना, अपर सचिव एवं महानिदेशक राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन की अध्यक्षता में 7 से 9 अप्रैल, 2022 को 10 राज्यों में संपूर्ण सुरक्षा कार्यनीति के क्रियान्वयन के लिए प्रस्ताव विकसित करने के लिए कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला के दौरान सभी 10 राज्यों के साथ चर्चा की गई तथा उन्हें प्रस्ताव में संशोधन करने के लिए निर्देश दिए गए।

कार्यशाला में कार्य समूह के सदस्यों, विकास भागीदार, तथा 10 राज्यों के प्रतिनिधियों ने संपूर्ण सुरक्षा कार्यनीति कार्यान्वयन के लिए भाग लिया। अगले कदम के रूप में, जुलाई 2022 तक 65 जिलों में संपूर्ण सुरक्षा कार्यनीति के कार्यान्वयन होने की उम्मीद है। संपूर्ण सुरक्षा कार्यनीति के लिए संचार सामग्री के विकास प्रक्रिया जारी है ।

उत्तर पूर्वी परिषद (एनईसी) और राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन के बीच संयुक्त कार्य समूह (जेडब्ल्यूजी) की बैठक

राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन तथा उत्तरपूर्वी परिषण के बीच दूसरी संयुक्त कार्य समूह की बैठक का आयोजन श्री के मोसस चलाई, सचिव और पूर्वी परिषद की अध्यक्षता में 06 अप्रैल, 2022 को शिलांग मेघालय में किया गया । संयुक्त कार्य समूह बैठक का मुख्य उद्देश्य सभी पूर्वोत्तर राज्यों को शामिल करते हुए राष्ट्रीय एड्स संगठन और एनईसी के बीच एक कार्य योजना तैयार करना था।

पूर्वोत्तर राज्यों में एच.आई.वी के रोकथाम के प्रयासों को मजबूत करने के लिए उत्तरपूर्वी परिषद के साथ भागीदारी अत्यन्त महत्वपूर्ण है।

बैठक में श्री कैलविन एच. खरशिंग योजना सलाहकार, एनईसी; सुश्री निधि केसरवानी, निदेशक, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन; डॉ. अनूप कुमार पुरी, उप महानिदेशक, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन, उत्तरपूर्वी परिषद के अधिकारी राज्य एड्स नियंत्रण समितीयों के परियोजना निदेशक/प्रतिनिधि और मेघालय एड्स नियंत्रण सोसाइटी के अधिकारी शामिल थे ।

बैठक के दौरान पूर्वोत्तर क्षेत्रों में उत्तरपूर्वी परिषद और राष्ट्रीय एड्स संगठन द्वारा संयुक्त रूप से एच.आई.वी/एड्स विषय पर कार्य करने के सुझावों पर विचार किया गया।

प्रोग्रामेटिक मैपिंग और जनसंख्या आकार अनुमान की राष्ट्रीय स्तर की समीक्षा बैठक

डेटा संग्रह के दौरान सामना की गई चुनौतियां की समीक्षा करने और समझने के लिए राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन के लक्षित हस्तक्षेप विभाग द्वारा 4 से 5 मई, 2022 को पी-एमपीएसई नोडल अधिकारीयों के लिए राष्ट्रीय स्तर की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक का आयोजन डॉ शोबिनी राजन, उप महानिदेशक (लक्षित हस्तक्षेप एवं बी.एस.डी.), राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन की अध्यक्षता में किया गया। दो दिवस बैठक ने विभिन्न राज्यों तथा केन्द्रशासित प्रदेशों को कार्यक्रम के क्रियान्वयन के लिए अपनाई गई कार्यनीतियों तथा नवचारों को सांझा करने का मंच प्रदान किया। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधियों ने प्रोग्राम मैपिंग तथा जनसंख्या आकार अनुमान पर संक्षिप्त प्रस्तुति दी जिसने मैप की गई जनसंख्या की तुलना में मौजूदा जनसंख्या, नए हॉटस्पॉट की पहचान डेटा गुणवत्ता, प्रस्तावित कार्यक्रम के साथ चुनौतियां भी शामिल थे। बैठक के दौरान, यह सुझाव दिया गया की सामुदायिक सलाहकार बोर्ड (सीएबी) की बैठक में सक्रिय समुदाय के सदस्यों को शामिल किया जाना चाहिए ।

आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन सुदृढ़ीकरण परियोजना की समीक्षा बैठक और ‘दक्षता’ का शुभारंभ

राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन द्वारा राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन के अधिकारियों और राज्यों के वरिष्ठ अधिकारियों के लिए ई-लर्निंग प्रबंधन प्रणाली "दक्षता" जो कि ग्लोबल फंड अनुदान 2021-24 के तहत समर्थित है पर समीक्षा तथा सहक्षमता बैठक का आयोजन किया था। कार्यक्रम का उद्घाटन श्री आलोक सक्सेना, अपर सचिव एवं महानिदेशक राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन द्वारा राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन और प्लान इंडिया के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में किया गया। कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के तहत आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन कार्यक्रम का अवलोकन करना, ई-लर्निंग प्रबंधन दक्षता का शुभारंभ करना, कार्यकर्ताओं को एच.आई.वी/एड्स आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन में सशक्त करना, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन तथा राज्य एड्स नियंत्रण समितीयों के अधिकारियों को 'दक्षता' के सभी घटकों से उन्मुख करना तथा राज्यों के अधिकारीयों की प्रशिक्षण की आवश्यकता पर चर्चा करने के उद्देश्य से किया गया। एक दिवसीय कार्यशाला में 86 अधिकारियों ने भाग लिया। जिसमें राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन के प्रभागो, राज्यों के प्रतिनिधी तथा विभिन्न भागीदारी के प्रतिनिधि शामिल थे।

एकीकृत सूचना प्रबंधन प्रणाली के लिए क्षमता निर्माण कार्यशाला

एकीकृत सूचना प्रबंधन प्रणाली, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के लिए डेटा रिपोर्टिंग का एक एकल स्रोत है। यह एक रोगी - केंद्रित, एकीकृत आईटी प्रणाली है जिसमें एक एम्बेडेड आपूर्ति श्रृंखला फ़ंक्शन है। यह एप्लिकेशन 95 -95 -95 के वैश्विक एच.आई.वी. लक्ष्य को ट्रैक करने और प्राप्त करने में सहायता के लिए राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम में डिजिटल परिवर्तन के लिए एक मील का पत्थर है। इस प्रणाली के अंतर्गत लाभार्थीयों और उनसे जुड़ी सुविधाओं की निर्बाध ट्रैकिंग को सक्षम करने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों एवं विभागों द्वारा प्रयोग की जाने वाली प्रणालियों का एकीकरण शामिल है। इस संदर्भ में राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन ने दिनांक 6 से 10 जून, 2022 तक नई दिल्ली में राज्य एड्य नियंत्रण समिती एम एंड ई अधिकारियों, राज्य स्तर पर विभिन्न विभाग के प्रतिनिधियों, राज्य महामारी विज्ञानी, टीएसयू अधिकारियों और विकास भागीदार एजेंसियों (यूएनएड्स, डब्ल्यूएचओ, सीडीसी और पीएटी) के प्रतिनिधियों के लिए 5 दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यशाला का आयोजन किया, ताकि राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के तहत सभी सुविधाओं में आईटी प्रणाली के उपयोग और कार्यान्वयन को बढ़ाने के लिए व्यक्तिगत प्रशिक्षण प्रदान करके मास्टर प्रशिक्षकों का एक पूल बनाया जा सके।

मानव रोगक्षम अल्पता विषाणु और अर्जित रोगक्षम संलक्षण (निवारण और नियंत्रण) अधिनियम, 2017 के तहत क्षेत्रीय स्तर पर परामर्श कार्यशाला

मानव रोगक्षम अल्पता विषाणु और अर्जित रोगक्षम संलक्षण (निवारण और नियंत्रण) अधिनियम, 2017 के तहत वर्तमान में 25 राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों ने लोकपाल नियुक्त किया है और 19 राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों ने प्रतिष्ठानों पर 1000 से अधिक शिकायत अधिकारी नामित किए हैं। अधिनियम के विषय में राज्यों में अधिकारियों को सशक्त बनाने की बढ़ती आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए, मुख्य प्रशिक्षकों के एक कैडर को विकसित करने की आवश्यकता थी, जो क्षेत्रीय और राज्य स्तर पर लोकपाल और शिकायत अधिकारी को प्रशिक्षण प्रदान करेंगे। राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन द्वारा शेयर इंडिया के सहयोग से हिमाचल प्रदेश के शिमला में 16 से 17 जून, 2022 तक और कर्नाटक के बैंगलोर में 23 से 24 जून, 2022 तक दो क्षेत्रीय स्तर पर कार्यशाला का आयोजन किया। राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन के वरिष्ठ अधिकारियों ने इस कार्यशाला माध्यम में भाग लिया। इन परामर्शों के माध्यम से, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन ने कुल 72 मास्टर प्रशिक्षकों को प्रशिक्षित किया।

लक्षित हस्तक्षेप प्रशिक्षण मॉड्यूल की समीक्षा के लिए राष्ट्रीय कार्यशाला

राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन द्वारा डॉ. शोबिनी राजन डी.डी.जी. (टी.आई. और बी.एस.डी.) की अध्यक्षता में लक्षित हस्तक्षेप प्रशिक्षण मॉड्यूल के मसौदे की समीक्षा के लिए दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य आउटरीच वर्कर, कार्यक्रम प्रबंधकों, एम एंड ई अधिकारी और लेखाकार और सहकर्मी शिक्षकों के लिए लक्षित हस्तक्षेप प्रशिक्षण सामग्री की समीक्षा और अंतिम रूप देना था। मॉड्यूल की समीक्षा करने के लिए प्रतिभागियों को 4 समूहों में व्यवस्थित किया गया था।

सामुदायिक प्रणालियों को मजबूत करके एच.आई.वी प्रतिक्रिया के केंद्र में समुदाय को रखना

राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के पाँचवे चरण के तहत सामुदायिक प्रणाली सुदृढ़ीकरण (सी.एस.एस.) के लिए अभिविन्यास 'पर राज्य एड्स नियंत्रण समितियों के नोडल अधिकारियों के साथ एक अभिविन्यास बैठक 6 मई को डॉ अनूप पुरी, डी.डी.जी. (सी.एस.टी., आई.ई.सी. और एम.एस.), राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन की अध्यक्षता में आयोजित की गई थी। बैठक का उद्देश्य भारत के संदर्भ में सामुदायिक तंत्र सुदृढीकरण की अवधारणा, सामुदायिक तंत्र सुदृढीकरण के लिए मुख्य दृष्टिकोण और राज्य स्तर पर सामुदायिक तंत्र सुदृढीकरण के तहत राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी की अपेक्षित भूमिकाओं और जिम्मेदारी पर राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी नोडल अधिकारियों को उन्मुख करना था। इस बैठक में राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन नेतृत्व, राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी अधिकारियों, यूएनएड्स, यूएसएआईडी, सीडीसी जैसे द्विपक्षीय भागीदारों, विकास भागीदारों और प्रमुख समुदायों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस बैठक ने समुदायों को राष्ट्रीय, राज्य और जिला स्तर पर सामुदायिक तंत्र सुदृढीकरण कार्यान्वयन के लिए राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन, राज्य एड्स नियंत्रण समिती को अधिकारियों और भागीदारों को अपने समर्थन की पुष्टि करते हुए राज्य सामुदायिक तंत्र सुदृढीकरण से अपनी अपेक्षाओं को आगे बढ़ाने का अवसर दिया, इस प्रकार, सामुदायिक प्रणाली को मजबूत बनाने और समुदायों को केंद्र में रखकर सामुदायिक समर्थन को बढ़ाना।

क्षेत्रीय समीक्षा बैठक - उत्तर पूर्वी क्षेत्र

श्री आलोक सक्सेना, अपर सचिव एवं महानिदेशक, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन की अध्यक्षता में पूर्वोत्तर राज्य एड्स नियंत्रण समितियों की 360 डिग्री समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी और राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन द्वारा निर्धारित वार्षिक लक्ष्य समयबद्ध तरीके से हासिल किए जाएं और तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई करने के लिए गैप की जल्द से जल्द पहचान की जाए। इसके साथ ही, एच.आई.वी रोकथाम और देखभाल निरंतरता में इन एजेंसियों द्वारा की गई गतिविधियों की प्रगति की समीक्षा और समझने के लिए भागीदार संगठनों के साथ एक बैठक आयोजित की गई।

कार्यक्रम प्रबंधन पर राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन अधिकारियों का प्रशिक्षण

राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन के अधिकारियों के कार्यक्रम प्रबंधन पर क्षमता विकास प्रशिक्षण का पहला कार्यक्रम 25 -27 मई, 2022 को राष्ट्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण संस्थान (एनआईएचएफडब्ल्यू), नई दिल्ली में कार्यक्रम प्रबंधन और समीक्षा (पीएमआर) प्रभाग द्वारा आयोजित किया गया था। यह कार्यक्रम एचएलएफपीपीटी की परियोजना सहयोग के तहत आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम का उद्घाटन श्री विद्याधर झा, उप सचिव, मानव संसाधन, डिवीजन, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन द्वारा किया गया और राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन के उप निदेशक डॉ साई प्रसाद भावसार ने कार्यक्रम के आयोजन में योगदान दिया। कार्यक्रम का उद्देश्य राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के सभी घटकों और इसकी गतिविधियों पर राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन अधिकारियों को उन्मुख करना था।

सामुदायिक प्रणाली सुदृढ़ीकरण पर समुदाय, सामुदायिक नेटवर्क और सी.एस.ओ. के लिए मुख्य प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम

सामुदायिक प्रणाली सुदृढ़ीकरण के तहत मुख्य प्रशिक्षकों का एक प्रशिक्षण 10 से 14 मई 2022 तक राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन के डॉ. शोबीनी राजन डी.डी.जी (टी.आई और बी.एस.डी) की अध्यक्षता में आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य सामुदायिक संसाधन पूल का एक कैडर विकसित करना है, जो अपने समुदाय के साथ - साथ राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के लिए भी उपलब्ध हैं। 5 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण के पहले बैच में 6 क्षेत्रों (21 राज्यों) और 5 टाइपोलॉजी के 39 सामुदायिक मुख्य प्रशिक्षकों ने भाग लिया। मुख्य प्रशिक्षकों का चयन समुदाय के राष्ट्रीय स्तर के नेटवर्क, सीबीओ और एच.आई.वी के क्षेत्र में काम करने वाले विकास भागीदारों से समुदाय के सदस्यों के नामांकन की प्रक्रिया के आधार पर किया गया था। प्रशिक्षण के मॉड्यूल में वकालत, मांग सृजन, सामुदायिक नेटवर्क और संबंध, ज्ञान प्रबंधन और सीखने, संगठनात्मक और नेतृत्व को मजबूत करने और संसाधन जुटाने जैसे विषय शामिल थे। यह अपेक्षित किया गया है कि इस कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षित सामुदायिक मास्टर प्रशिक्षक देश में सामुदायिक, सामुदायिक नेटवर्क और सीएसओ के साथ राज्य और जिला स्तर पर आयोजित किए जाने वाले कैस्केड प्रशिक्षणों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

क्षेत्रीय फोक मीडिया कार्यशाला

राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (नाको) ने बड़े पैमाने पर फोक मीडिया का रचनात्मक इस्तेमाल कर के दूरदराज़ के इलाकों तक अपनी पहुंच कायम की है और जिन लोगों तक सामान्य मीडिया द्वारा नहीं पहुंचा जा सका है उनके लिए प्रभावी सम्प्रेषण पैकेज विकसित किया है। आम जन तक, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में, सामाजिक संदेश पहुंचाने के काम में फोक मीडिया को एक शक्तिशाली सम्प्रेषण साधन माना जाता है।

इसी राह पर आगे बढ़ते हुए राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन द्वारा 25 से 27 मई 2022 तक जयपुर में क्षेत्रीय फोक मीडिया कार्यशाला का आयोजन किया जिसका उद्देश्य था राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के नए कदमों के मुताबिक फोक कलाकारों के लिए स्क्रिप्ट को नया रूप देना। राजस्थान, पंजाब, गोवा, हरियाणा, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, चंडीगढ़ व अहमदाबाद के फोक कलाकारों एवं प्रतिनिधियों ने इस कार्यशाला में हिस्सा लिया। इस आयोजन का उद्घाटन नाको के डीडीजी (सी.एस.टी., आई.ई.सी. व एमएस) डॉ अनूप कुमार पुरी ने किया।

फोक कलाकारों को विभिन्न समूहों में बांटा गया और तय विषय दिए गए जैसे- एच.आई.वी. और एड्स की बुनियादी बातें; मिथक व गलतफहमियां; प्रवासी व ट्रक चालक; जोखिम की समझ और सेवाओं तक संपर्क (संपूर्ण सुरक्षा कार्यनीति); संपूर्ण माँ से बच्चे

में एच.आई.वी. संचरण; सुरक्षित यौन संबंध एबीसी/कंडोम सुरक्षित यौन संबंध-एबीसी/कंडोम; कलंक और भेदभाव तथा मानव रोगक्षम अल्पता विषाणु और अर्जित रोगक्षम अल्पता संलक्षण (निवारण और नियंत्रण) अधिनियम, 2017; देखभाल, सहयोग व इलाज तथा एच.आई.वी.-टीबी। कलाकारों को उनकी पुरानी स्क्रिप्ट पर काम करने का पर्याप्त समय दिया गया। एक समिति द्वारा स्क्रिप्ट की समीक्षा के बाद मान्य किया गया। नाको अधिकारियों ने लोक कलाकारों को सहभागिता के प्रमाणपत्र प्रदान किए।

इस कार्यशाला में निम्न अहम बिंदुओं पर ज़ोर दिया गया:-

- इस्तेमाल किए जा रहे शब्दों पर ध्यान तथा यह सुनिश्चित करना की संदेश सही आयु वर्ग को प्रेषित किया जाए।
- यह सलाह दी गई की प्रदर्शन वाले इलाके में पहले प्रचार अवश्य किया जाए।
- फोक कलाकारों को सलाह दी गई की वे प्रदर्शन के दौरान ही दर्शकों को उसी वक्त 1097 डायल करने के लिए प्रोत्साहित करें।
- कलाकारों को परामर्श दिया गया की वे टीआई (लक्षित हस्तक्षेप) डिविज़न के साथ बात करके योजना बनाएं ताकी एच.आई.वी. टैस्टिंग को बढ़ावा दिया जा सके।
- कलाकारों से कहा गया की वे एच.आई.वी. और एड्स (निवारण व नियंत्रण) अधिनियम, 2017 को प्रचारित करें ताकी कलंक और भेदभाव को घटाया जा सके।
- राज्यों को सलाह दी गई की वे एच.आई.वी. के क्लीनिकल पहलुओं पर बात करने से बचें और केवल 1097 को प्रचारित करें ताकी जानकारी का संपूर्ण व सही प्रसार सुनिश्चित किया जा सके।

कार्यशाला के उद्देश्य में यह भी शामिल था की 95-95-95 लक्ष्यों की राह में आ रही कमियों पर ध्यान दिया जाए और इसलिए पहले 95 हासिल करने के लिए खास आबादी को असरदार ढंग से लक्षित किया जाए।

प्रयोगशाला सेवा प्रभाग के उप निदेशकों और सहायक निदेशकों की समीक्षा एवं अभिविन्यास बैठक

प्रयोगशाला सेवा प्रभाग के निदेशकों (डीडी) और सहायक निदेशकों (एडी) के लिए क्षेत्रीय समीक्षा एवं अभिविन्यास बैठक का आयोजन 27 और 28 जून, 2022 को जयपुर, राजस्थान में किया गया। बैठक का उद्देश्य भाग लेने वाले राज्य एड्स नियंत्रण समितीयों के प्रयोगशाला सेवा प्रभाग के घटकों की समीक्षा करना और बैठक के दौरान प्रस्तुत कमियों और चुनौतियों का समाधान करने के लिए कार्यनीति विकसित करना था। बैठक में नेशनल एड्स नियंत्रण संगठन के अधिकारी (लैब सर्विसेज डिवीजन), राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी चंडीगढ़, दिल्ली, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू – कश्मीर, पंजाब, राजस्थान और उत्तराखंड के लोकसभा और सीएसटी डिवीजनों के अधिकारी शामिल हुए। तकनीकी सहायता इकाई (टीएसयू), लैब सर्विसेज डिवीजन के तकनीकी भागीदार यानी यूएस सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल (सीडीसी) और शेयर इंडिया के अधिकारियों ने एनएसीपी के तहत चल रही प्रयोगशाला गतिविधियों पर अपडेट प्रस्तुत किया, अर्थात:

1. एकीकृत परामर्श और परीक्षण केंद्र क्वालिटी मेनेजमेन्ट सिस्टेम और प्रमाणन
2. सीडी 4 परीक्षण मशीनों का युक्तिकरण
3. एच.आई.वी -1 वायरल लोड परीक्षण का अनुकूलन
4. एक्ट्रेनल क्वालिटी एश्योरेंस गतिविधियों और मान्यता पर अपडेट
5. राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन प्रयोगशाला
6. एसओसीएच मॉड्यूल अपडेट

बैठक के दौरान प्रतिभागियों ने निम्नलिखित तकनीकी पहलुओं पर चर्चा की:

- एच.आई.वी -1 वायरल लोड परीक्षण के लिए राज्य स्तरीय सेंपल ट्रांसपोर्टेशन एजेंसी को काम पर रखना
- राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी, एसआरएल, वीएल लैब, एंटी-रेट्रोवाइरल थेरेपी केंद्र और एकीकृत परामर्श और परीक्षण केंद्र में रिक्त पदों को भरना
- राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के तहत प्रयोगशालाओं का प्रत्यायन और एकीकृत परामर्श और परीक्षण केंद्र का प्रमाणन
- दक्षता और स्थिरता के लिए एनएसीपी के साथ मौजूदा सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं का एकीकरण
- एसओसीएच सूचना प्रबंधन प्रणाली के उपयोग में सुधार
- गुणवत्ता डेटा प्रबंधन सेवाओं को बनाए रखने के लिए ईक्यूए कार्यक्रम और राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन प्रयागशाला में डेटा प्रविष्टि में भागीदारी

ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस - जेंडर एफर्मेशन केयर (जीएसी) की स्थापना

भारत में ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को जेंडर एफर्मेशन केयर (जीएसी) सेवाएं प्रदान करने के लिए, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन ने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली के साथ भारत में ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) - जेंडर एफर्मेशन केयर सेंटर स्थापित करने के लिए एक बैठक आयोजित की। यह बैठक श्री आलोक सक्सेना, अपर सचिव एवं महानिदेशक राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक के दौरान सामुदायिक औषधि केंद्र के प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष डॉ. संजय के. राय और एम्स के बर्न एंड सर्जरी विभाग के प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष डॉ. मनीष सिंघल ने ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य देखभाल सेवा प्रदान करने के लिए सीओई को वन - स्टॉप जेंडर एफर्मेशन केयर सेंटर के रूप में सुविधा प्रदान करने की सभी संभावनाओं का वर्णन किया।

सीओई - जीएसी ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के लिए स्वास्थ्य के शल्य चिकित्सा और चिकित्सा पहलुओं से परे अनुसंधान से लेकर क्षमता निर्माण, ट्रांसजेंडर स्वास्थ्य पर पाठ्यक्रम, नेतृत्व और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग की सुविधा प्रदान करेगा। यह उम्मीद की जाती है कि केंद्र में प्रारंभिक चरण के दौरान 150 प्रमुख और 350 छोटी सर्जरी करने की क्षमता होगी, जिसमें उपग्रह और क्षेत्रीय केंद्रों के रूप में भविष्य के विस्तार की संभावना होगी।

अपर सचिव एवं महानिदेशक, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन द्वारा राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम की गतिविधियों की चेन्नई में समीक्षा

राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन के अपर सचिव और महानिदेशक श्री आलोक सक्सेना, अपर सचिव एवं महानिदेशक, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन ने राज्य में राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम (एनएसीपी) की प्रगति की समीक्षा करने के लिए तमिलनाडु राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी का दौरा किया। श्री दीपक जैकब, आईएएस, एमडी, तमिलनाडु मेडिकल सर्विसेज कॉर्पोरेशन लिमिटेड और परियोजना निदेशक, तमिलनाडु राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी (प्रभारी) ने राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन के अपर सचिव और महानिदेशक के साथ समीक्षा बैठक की सह - अध्यक्षता की। समीक्षा बैठक में TANSACS के तहत सभी डिवीजनों की भागीदारी थी। राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी के अधिकारियों के साथ घटकवार विचार - विमर्श किया गया। एनएसीपी के कार्यान्वयन में कुछ प्रोग्रामेटिक चुनौतियों को अपर सचिव और महानिदेशक, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन के संज्ञान में लाया गया था जिसके लिए विचारोत्तेजक और उचित दिशा - निर्देश प्रदान किए गए थे।

अपर सचिव और महानिदेशक, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन का गुजरात दौरा

श्री आलोक सक्सेना, अपर सचिव एवं महानिदेशक, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन ने अतिरिक्त परियोजना निदेशक, गुजरात राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी; उप निदेशक (बीएसडी और टीआई), राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन; राष्ट्रीय सलाहकार (टीआई), राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन; सलाहकार (सूचना, शिक्षा और संप्रेषण और एमएस), राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन; एसोसिएट सलाहकार (टीआई) और टीएसयू अधिकारियों की एक टीम के साथ वडोदरा में राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम गतिविधियों की प्रगति की समीक्षा करने के उद्देश्य से विभिन्न एनएसीपी सुविधाओं का दौरा किया। टीम ने सर सयाजीराव जनरल अस्पताल में एकीकृत परामर्श और परीक्षण केंद्र और एंटी-रेट्रोवाइरल थेरेपी केंद्र का दौरा किया, लक्ष्य ट्रस्ट द्वारा कार्यान्वित लक्षित हस्तक्षेप परियोजना, गरिमा ग्रेह (MoSJE द्वारा समर्थित), विहान परियोजना के तहत एच.आई.वी /एड्स के साथ रहने वाले लोगों के गुजरात राज्य नेटवर्क द्वारा संचालित सीएससी केंद्र और लाभार्थियों के जीवन की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए केंद्रों द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं में सुधार के लिए विभिन्न उपाय सुझाए।

अपर सचिव एवं महानिदेशक, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन द्वारा मुंबई में राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के सेवाओ और हॉटस्पॉट स्थलों का दौरा

राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन के अपर सचिव एवं महानिदेशक श्री आलोक सक्सेना अपर सचिव एवं महानिदेशक, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन ने राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन के अधिकारियों के साथ मुंबई जिले एड्स नियंत्रण सोसायटी और सुविधाओं का दौरा किया। जेजे अस्पताल में एंटीरेट्रोवायरल थेरेपी सेंटर, सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई), एकीकृत परामर्श और परीक्षण केंद्र और सुरक्षा क्लिनिक का दौरा किया। इसके अलावा, दो हॉटस्पॉट साइटों का भी दौरा किया गया।गतिविधियों की प्रगति की समीक्षा करने और आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन के अपर सचिव एवं महानिदेशक की अध्यक्षता में मुंबई जिला एड्स नियंत्रण सोसाइटी की एक समीक्षा बैठक भी आयोजित की गई।

राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन का ओडिशा भ्रमण

राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन के (टीआई और बीएसडी) डॉ. शोबिनी राजन डीडीजी के नेतृत्व में एक दल ने 30 मार्च, 2022 को ओडिशा राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी का दौरा किया परियोजना निदेशक, ओडिशा राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी; अतिरिक्त परियोजना निदेशक, ओडिशा राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी और टीएसयू अधिकारियों के साथ एनएसीओ टीम ने खोर्दा, पुरी और कटक में जिला सुविधाओं का दौरा किया। इस यात्रा ने राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन टीम के लिए राज्य विशिष्ट लक्ष्यों को प्राप्त करने में आने वाली बाधाओं और चुनौतियों को समझने के लिए एक अवसर प्रदान किया। टीम ने राज्य द्वारा विशेष रूप से 100 प्रतिशत एंटी-रेट्रोवाइरल थेरेपी अनुपालन के लिए की गई समग्र प्रगति की सराहना की और देश भर में प्रतिकृति के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं का दस्तावेजीकरण करने का सुझाव दिया गया।

प्रमुख संकेतकों पर एनएसीपी की स्थिति

राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम की एच.आई.वी/एड्स के लिए प्रतिक्रिया सूचना, शिक्षा संचार (आईईसी), प्रयोगशाला सेवाओं और कार्यनीति सूचना प्रबंधन के महत्वपूर्ण समर्थकों के माध्यम से रोकथाम, परीक्षण और उपचार की व्यापक त्रि - आयामी कार्यनीति बनी हुई है। वित्तीय वर्ष 2021 -22 के दौरान, कार्यक्रम 99.60 लाख कमजोर आबादी तक पहुंच गया है जो एच.आई.वी संक्रमण के लिए सबसे अधिक जोखिम में हैं, उन्हें एच.आई.वी रोकथाम, प्रारंभिक पहचान और उपचार के लिए सेवाओं के समग्र पैकेज के साथ कवर किया गया है। इस कार्यक्रम के तहत इसी अवधि के दौरान लगभग 4.30 करोड़ एच.आई.वी परीक्षण किए गए हैं। इसमें एच.आई.वी के मातृ से शिशु संचरण के उन्मूलन की दिशा में गर्भवती महिलाओं के बीच लगभग 2.14 करोड़ एच.आई.वी परीक्षण शामिल थे। मार्च 2022 तक, लगभग 15.56 लाख लोग (निजी क्षेत्र से 1.06 लाख सहित) मुफ्त जीवनभर एंटी - रेट्रोवायरल उपचार पर हैं। इस कार्यक्रम ने अप्रैल 2021 से मार्च 2022 के दौरान उपचार की प्रभावशीलता की निगरानी के लिए लगभग 10.14 लाख वायरल लोड परीक्षण किए हैं।

एसआई- कार्यक्रम निगरानी और मूल्यांकन: वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान एड्स नियंत्रण कार्यक्रम - चरण पाँच की स्थिति

सामरिक सूचना - कार्यक्रम की निगरानी और मूल्यांकन विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंचों को समय-समय पर घोषित लक्ष्यों और लक्ष्यों की प्रगति की रिपोर्ट करता है।

वित्त वर्ष 2021-22 (अप्रैल 2021-मार्च 2022) के दौरान प्रमुख संकेतकों की स्थिति नीचे प्रस्तुत की गई है। इसे समय-समय पर उपयुक्त के रूप में अद्यतन किया जाएगा।

राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	लक्षित हस्तक्षेप और लिंक कार्यकर्ता योजना के माध्यम से कवर किए गए उच्च जोखिम समूह और पुल जनसंख्या	नामित यौन संचारित संक्रमण /आरटीआई क्लिनिक में प्रबंधित यौन संचारित संक्रमण /आरटीआई रोगी	'जोखिम' आबादी के बीच एच.आई.वी परीक्षण (गर्भवती महिलाओं को छोड़कर)	'जोखिम' आबादी में एच.आई.वी पॉजिटिव परिणाम (गर्भवती महिलाओं को छोड़कर)	गर्भवती महिलाओं में एच.आई.वी परीक्षण एच.आई.वी पॉजिटिव माताओं का प्रतिशत आजीवन एंटी-रेट्रोवाइरल थेरेपी पर शुरू किया गया	एआरवी प्रोफिलैक्सिस पर शुरू किए गए एच.आई.वी संक्रमित बच्चों का प्रतिशत	एंटी-रेट्रोवाइरल थेरेपी केंद्र में एच.आई.वी. के साथ जी रहे व्यक्ति का नया पंजीकरण	एच.आई.वी. के साथ जी रहे व्यक्ति के साथ जी रहे व्यक्ति ने एंटी-रेट्रोवाइरल थेरेपी पर आरंभ किया	एंटी-रेट्रोवाइरल थेरेपी पर एच.आई.वी. के साथ जी रहे व्यक्ति (संचयी)	एच.आई.वी. के साथ जी रहे व्यक्ति के साथ जी रहे व्यक्ति ने एंटी-रेट्रोवाइरल थेरेपी पर आरंभ किया	एंटी-रेट्रोवाइरल थेरेपी पर एच.आई.वी. के साथ जी रहे व्यक्ति (संचयी)	एच.आई.वी. - टीबी क्रॉस रेफरल	वायरल लोड परीक्षण किए गए
अंडमान और निकोबार	NA	2,319	20,040	21	4,784	1	0.0	NA	24	24	143	831	NA
आंध्र प्रदेश	4,28,381	4,38,904	12,84,277	12,959	7,63,610	1,453	>95	>95	13,648	13,440	2,04,081	1,18,274	1,72,485
अरुणाचल प्रदेश	55,712	19,368	16,006	65	12,856	12	>95	>95	58	49	218	2,038	159
असम	50,980	63,698	1,52,491	1,362	2,60,498	197	>95	>95	1,977	1,651	9,360	21,200	4,073
बिहार	1,91,166	1,75,562	7,35,391	7,178	20,74,460	575	>95	87.2	8,613	7,982	68,470	92,443	27,917
चंडीगढ़	73,424	22,108	75,469	467	20,751	50	>95	88.9	431	379	5,096	2,133	5,507
छत्तीसगढ़	2,38,708	1,37,299	2,38,831	1,312	3,67,662	304	>95	91.4	2,080	1,884	18,027	28,731	10,416
दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव	NA	2,890	38,253	44	20,532	4	>95	>95	41	41	235	873	468
दिल्ली	7,06,002	2,40,047	4,08,238	3,916	2,15,314	217	94.5	>95	4,034	3,658	37,498	45,985	18,574
गोवा	73,921	35,329	62,983	225	32,381	26	>95	>95	204	192	3,118	2,723	3,200
गुजरात	10,75,159	4,20,610	14,73,455	6,452	12,98,997	949	>95	>95	6,567	6,129	78,800	1,73,991	58,384
हरियाणा	1,18,466	1,11,217	5,86,825	6,947	5,32,919	278	>95	>95	340	311	23,409	52,719	6,275
हिमाचल प्रदेश	53,786	48,128	1,70,148	353	96,079	41	>95	>95	4,946	4,807	4,847	14,709	4,803
जम्मू और कश्मीर	57,181	4,367	2,27,827	284	2,08,870	22	>95	88.2	217	201	3,031	9,041	1,823
झारखंड	99,211	61,528	2,38,712	1,126	6,08,798	188	>95	89.7	1,449	1,356	13,364	38,310	9,872
कर्नाटक	7,38,716	4,71,153	22,59,891	10,628	12,38,579	1,272	>95	93.3	10,568	10,138	1,80,490	1,47,905	1,19,685
केरल	4,49,793	1,31,607	4,97,563	1,791	3,41,366	62	>95	>95	825	685	16,235	31,033	11,849
लद्दाख	NA	NA	3,188	4	1,710	0	0	0	-	-	23	175	NA
मध्य प्रदेश	4,74,761	4,89,950	11,81,394	3,974	15,77,818	519	>95	>95	4,117	3,906	33,458	1,23,995	22,432
महाराष्ट्र	25,12,647	7,95,827	28,39,422	10,964	23,08,004	1,639	>95	94.7	14,682	14,029	2,92,325	2,68,356	2,08,083
मणिपुर	68,616	43,145	41,716	431	20,204	87	>95	95.0	779	742	14,207	1,497	9,279
मेघालय	3,478	12,555	43,353	1,104	51,864	229	>95	>95	794	721	3,718	4,332	2,226
मिज़ोरम	51,852	30,519	55,497	1,561	25,179	230	>95	>95	1,826	1,795	12,949	2,854	8,044
नागालैंड	52,534	40,614	76,036	1,141	18,774	141	89.4	>95	1,464	1,337	10,982	5,146	9,193
ओडिसा	2,04,062	1,57,763	6,61,053	1,381	5,19,465	230	>95	87.5	2,074	1,958	22,685	81,091	11,020
पुडुचेरी	27,157	16,142	92,277	146	26,607	14	71.4	91.7	83	82	1,265	1,245	847
पंजाब	2,21,448	1,37,359	5,42,728	5,710	3,04,038	597	>95	90.5	9,064	8,942	50,872	43,869	22,626
राजस्थान	1,81,894	1,99,508	12,41,819	5,219	11,33,082	701	>95	>95	5,422	5,263	51,706	1,19,531	31,006
सिक्किम	2,709	4,482	12,620	30	4,985	2	50.0	>95	38	35	258	743	316
तमिलनाडु	4,88,681	4,55,351	29,78,786	5,921	12,75,399	825	>95	>95	6,098	5,638	1,25,684	2,16,568	85,054
तेलंगाना	3,49,518	2,14,284	4,54,001	5,892	6,22,254	820	>95	91.0	8,005	7,739	1,15,810	60,506	62,206
त्रिपुरा	39,783	39,139	57,322	619	34,322	72	>95	72.2	1,008	1,002	2,864	2,474	1,395
उत्तर प्रदेश	3,63,360	13,11,769	10,46,009	9,651	37,46,429	1,113	>95	86.7	10,914	10,457	97,316	3,28,791	61,623
उत्तराखंड	2,81,984	1,13,325	1,25,577	746	1,54,381	42	>95	78.0	1,044	788	4,541	16,528	4,419
पश्चिम बंगाल	2,25,317	1,47,758	16,66,056	4,169	15,32,274	446	>95	>95	4,390	4,050	48,941	84,163	19,040
इंडिया	99,60,406	65,95,624	2,16,07,111	1,13,793	2,14,55,518	13,358	98.6	94.4	1,27,824	1,21,411	15,56,026	21,44,817	10,14,299

नोट: # अनंतिम जानकारी * निजी क्षेत्र में एंटी-रेट्रोवाइरल थेरेपी पर 1.06 लाख एच.आई.वी. के साथ जी रहे व्यक्ति सहित अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव और लद्दाख में - कोई लक्षित हस्तक्षेप और वायरल लोड सुविधा नहीं है।
लद्दाख में - कोई एंटी-रेट्रोवाइरल थेरेपी केंद्र और नामित यौन संचारित संक्रमण/आरटीआई क्लिनिक नहीं है। लद्दाख में - एक लिंक एंटी-रेट्रोवाइरल थेरेपी केंद्र है।

360 डिग्री समीक्षा की निरंतरता मेंउत्तर पूर्वी राज्यों के अनुवर्ती दौरे

उत्तर पूर्व क्षेत्र की 360 डिग्री कार्यक्रम संबंधी समीक्षा के क्रम में डी.डी.जी. और ए.डी.जी. के नेतृत्व में राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन अधिकारियों द्वारा प्रमुख कार्रवाई की समीक्षा के लिए अनुवर्ती दौरों का आयोजन किया गया। दौरों का उद्देश्य निम्नलिखित गतिविधियों की समीक्षा करना और चिन्हित कमियों को भरने के लिए राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी को मार्गदर्शन प्रदान करना था:

पहचाने गए अंतराल को भरना:

- कार्यक्रम सम्बन्धी गतिविधियां
- पूर्वनिर्धारित संकेतकों के आधार पर क्रियान्वायन भागीदार का प्रदर्शन।
- प्रमुख कार्यक्रम संबंधी दृष्टिकोण
- चुनौतियां और आगे का रास्ता।

प्रमुख गतिविधियां निम्नलिखित हैं

- अप्रैल, मई और जून 2022 के महीने में आयोजित की गई उत्तर पूर्व समीक्षा बैठक की प्रतिवेदन पर अनुवर्ती कार्रवाई।
- कार्यक्रम के कार्यान्वयन से संबंधित मुद्दों का हल तथा संबंधित मार्गदर्शन।
- क्षेत्र का दौरा करना और दौरे के अवलोकन के आधार पर क्षेत्र के पदाधिकारियों और राज्य के अधिकारियों को आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान करना।
- बेहतर समन्वय के लिए राज्य में राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी और कार्यान्वयन भागीदारों के साथ संयुक्त बैठक समुदाय के प्रतिनिधियों के साथ बैठक।
- उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए गतिविधियों के अभिसरण के लिए एमडी एनएचएम के साथ बैठक।
- राज्य की टिप्पणियों पर प्रमुख सचिव स्वास्थ्य को संक्षिप्त विवरण

चित्र 1:
17 -21 मई 2022 के दौरान असम का दौरा

चित्र 2:
24 -28 मई 2022 के दौरान मेघालय का दौरा

चित्र 3:
27-28 मई 2022 के दौरान मणिपुर का दौरा

चित्र 4:
1-3 जून 2022 के दौरान त्रिपुरा का दौरा

चित्र 5:
7 -10 जून 2022 के दौरान सिक्किम का दौरा

रेड रिबन क्लब द्वारा गतिविधियाँ

जम्मू और कश्मीर राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी

एच.आई.वी/एड्स विषय पर ओपन पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता

गोवा राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी

गोवा में 166वें रेड रिबन क्लब का उद्घाटन डॉन बॉस्को कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर में हुआ

बिहार राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी

माननीय स्वास्थ्य मंत्री, श्री मंगल पाण्डेय तथा बीएसएसीएस के परियोजना निदेशक श्री अंशुल अग्रवाल ने रेड रिबन क्लबों के माध्यम से आयोजित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित किया

अंडमान और निकोबार एड्स कंट्रोल सोसायटी

राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी ने अंडमान और निकोबार द्वीप समूह आयुर्विज्ञान संस्थान (ANIIMS) के रेड रिबन क्लब में 1 वर्ष से सदस्यों के नामांकन के लिए एच.आई.वी/एड्स की रोकथाम और नियंत्रण पर एक अभिविन्यास और क्षमता निर्माण कार्यशाला का आयोजन किया।

हरियाणा राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी

हरियाणा राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी ने 7 से 14 अप्रैल 2022 तक विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर रेड रिबन क्लब सदस्यों द्वारा कॉलेज, हस्ताक्षर अभियान और जागरूकता उद्देश्य के लिए आयोजित रैली में एच.आई.वी/एड्स पर जागरूकता व्याख्यान के माध्यम से सप्ताह भर की गतिविधियों का अवलोकन किया।

मेघालय एड्स कंट्रोल सोसायटी

मेघालय एड्स नियंत्रण समिती द्वारा जयंतिया नेटवर्क ऑफ पॉजिटिव पीपल के सहयोग से जिला स्तरीय कैंडल लाईट मेमोरियल दिवस 2022 का आयोजन।

केरल राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी

केरल राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी और NSS औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग ने संयुक्त रूप से रेड रिबन क्लब स्वयंसेवकों के लिए एक दिवसीय सहकर्मी सम्मेलन का आयोजन किया। सम्मेलन में एच.आई.वी/एड्स की मूल बातें, स्वैच्छिक रक्तदान, मिशन 2025 तक शून्य नए एच.आई.वी संक्रमण प्राप्त करना, यौन और प्रजनन स्वास्थ्य के विषयों को शामिल किया गया था।

छत्तीसगढ़ राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी

21 मई 2022 को छत्तीसगढ़ में पहली बार एच.आई.वी पॉजिटिव "युवक युवती परिचय सम्मेलन" का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न राज्यों के एच.आई.वी. के साथ जी रहे 12 जोड़ों ने शादी के लिए सहमति दी।

पांडिचेरी राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी

यनम क्षेत्र के पी.एल.एच.आई.वी. हितधारकों की एक बैठक ए.आर.टी.सी.-काकीनाडा (ए.पी.) में पॉजिटिव लोगों के कोस्टल नेटवर्क (सीएनपी +), पूर्वी गोदावरी जिला-एपी के समन्वय में आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता डॉ. एस. चित्रदेवी, परियोजना निदेशक, पांडिचेरी राज्य एड्स नियंत्रण समिती राज्य की। इसके साथ-साथ तालुक कानूनी सेवा समिति के अधिवक्ताओं और अधिकारियों/कर्मचारियों के साथ बैठक का भी आयोजन किया गया। प्रतिभागियों को मानव रोगक्षम अल्पता विषाणु और अर्जित रोगक्षम अल्पता संलक्षण (निवारण और नियंत्रण) अधिनियम, 2017 और इसके प्रमुख वर्गों के बारे में जागरूक किया गया। एच.आई.वी के साथ जी रहे व्यक्तियों और उच्च जोखिम समूह को लोकपाल और शिकायत अधिकारी की भूमिका के बारे में बताया गया।

झारखंड राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी

झारखंड राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी द्वारा दुमका में 95-95-95 लक्ष्यों को प्राप्त करने की कार्यनीति पर चर्चा करने के लिए एक दिवसीय परामर्श का आयोजन किया गया, जिसमें एकीकृत परामर्श और परीक्षण केंद्र, एंटी-रेट्रोवाइरल थेरेपी और संथाल परगना जिले के एच.आई.वी पॉजिटिव व्यक्तियों नेटवर्क के सदस्यों के साथ एसीएस स्वास्थ्य, मिशन निदेशक, एनएचएम और परियोजना निदेशक, झारखंड राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी भी उपस्थित थे।

मुंबई जिला एड्स नियंत्रण सोसाइटी

MITWAA (मित्र) एंटी-रेट्रोवाइरल थेरेपी केंद्रों में पंजीकृत एच.आई.वी के साथ रहने वाले किशोरों के समग्र विकास के लिए मुंबई जिला एड्स नियंत्रण सोसाइटी की एक पहल है। इसका उद्देश्य एंटी-रेट्रोवाइरल थेरेपी कर्मचारियों के क्षमता निर्माण प्रशिक्षण के माध्यम से एंटी-रेट्रोवाइरल थेरेपी केंद्रों में किशोर अनुकूल स्वास्थ्य सेवाओं (एएफएचएस) को बढ़ावा देना है। पोषण, बढ़ते परिवर्तन, एच.आई.वी और एंटी-रेट्रोवाइरल थेरेपी पालन और जीवन कौशल जैसे विभिन्न विषयों पर समूह कार्य के साथ इंटरैक्टिव सत्र आयोजित किए गए।

सत्यमेव जयते
Ministry of Health & Family Welfare
Government of India

NACO
National AIDS Control Organisation
India's Voice against AIDS
Ministry of Health & Family Welfare, Government of India
www.naco.gov.in

Azadi Ka Amrit Mahotsav

HIV positive pregnant woman can give birth to a healthy HIV negative baby

Get yourself tested in first trimester of pregnancy

END INEQUALITIES AIDS PANDEMICS

WORLD AIDS DAY 2021

संरक्षक: श्री आलोक सक्सेना, अतिरिक्त सचिव और महानिदेशक, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार

निदेशक: सुश्री निधि केसरवानी, निदेशक, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार

संपादक: डॉ. ए.के. पुरी, उप महानिदेशक (सूचना, शिक्षा और संप्रेषण, एमएस और सीएसटी) राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार

संपादकीय पैनल: डॉ शोबिनी राजन, उप महानिदेशक; डॉ यू बी दास, उप महानिदेशक; डॉ भावना राव, उप निदेशक; सुश्री निधि रावत, राष्ट्रीय सलाहकार (सूचना, शिक्षा और संप्रेषण और एमएस); और शेयर इंडिया टीम आपकी प्रतिक्रिया हमारे लिए महत्वपूर्ण है।

राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन एड्स ऐप डाउनलोड करें। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, भारत सरकार छठी और नौवीं मंजिल, चंद्रलोक बिल्डिंग, 36-जनपथ, नई दिल्ली - 110001 दूरभाष: 011-43509999, फैक्स: 011-23731746

हमारी वेबसाइट पर जाएँ: www.naco.gov.in

डिजाइन और प्रोडक्शन: द विजुअल हाउस, ईमेल: tvh@thevisualhouse.in

आपकी प्रतिक्रिया हमारे लिए महत्वपूर्ण है। कृपया हमें nacoindianews@gmail.com पर लिखें

@NACOINDIA @NACOINDIA @NACO_INDIA @NACOINDIA

AIDS Helpline 1097

Download NACO AIDS APP

Supported By SHARE